जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 10 जनवरी 2020

जामिया प्रोफेसर को एफएसएसएआई के आॅइल एंड फैट्स संबंधी साइंटिफिक पैनल का सदस्य बनाया गया

भारत सरकार क,े भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई)े ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. एम. ज़ाहिद अशरफ को तीन साल के लिए अपने आॅइल एंड फैट्स मामलों के साइंटिफिक पैनल का सदस्य नियुक्त किया है। यह साइंटिफिक पैनल भारत में खाद्य उत्पादों के लिए मानकों का विकास करने के साथ ही वैज्ञानिक और तकनीकी सलाह मुहैया कराता है। यह एफएसएसएआई के नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार काम करता है।

तेल और वसा मानव आहार का अभिन्न हिस्सा हैं और शरीर के समग्र पोषण में ये अहम भूमिका निभाते हैं। अच्छे वसा का सेवन इंसान की शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक बेहतरी के लिए ख़ास महत्व रखता है। ट्रांस-फैट्स पर अंकुश और अच्छे अनसैचरेटिड फैट्स को बढ़ावा देने से हम नए स्वस्थ भारत की ओर बढ़ेंगे।

एफएसएसएआई के ऐसे साइंटिफिक पैनल स्वस्थ खान-पान आदतों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इनका सर्वोपरि लक्ष्य स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण है।

लिपिड के क्षेत्र में प्रो. अशरफ के व्यापक अनुभव और हृदय रोगों के ईलाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस पैनल में जगह देकर सम्मानित किया गया है। उनके पहले के अध्ययनों में एथोरोसक्लोरोटिक प्लैक के बनने में ऑक्सीडाइज़्ड लिपिड की भूमिका का व्यापक अध्ययन किया गया है, जो दिल का दौरा पड़ने की एक बड़ी वजह है। डॉ. अशरफ नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद और इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, बैंगलोर के निर्वाचित फेलो हैं। वह प्रतिष्ठित आईसीएमआर के बसंती देवी अमीर चंद और डीबीटी के राष्ट्रीय बायोसाइंसेज पुरस्कार से भी सम्मानित हैं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक